MAH. 3.14327.: उन्ममन्थ महार्णवम्; N. 10. 8.: शोकेनो 'न्मथितचित्त· 2) abscindere. MAH. 3.10267.: शिरः शरोत्तमैर् उन्मथितास्मि·

c. निस् *i. q. simpl.* MAH. 1. 1120.: अमृतस्या 'र्थे निर्मथिष्यामहे जलम्·

c. प्र 1) *i. q. simpl.* MAH. 1. 194.: नागबलैः सुदुःसहन् द्रोणानीकम्... प्रमथ्य; 3. 16435. 2) conterere. A. 7. 8.: हयास् ते ... प्रामथ्नन्त दितेः सुतान्; MAH. 3. 16435.: महता ग्राव्णा ... प्रमाथिनम् अभिद्रुत्य प्रममाथ· 3) vim inferre. BR. 2. 17.: ताञ् चेद् अहन् न दित्सेयम्... प्रमथ्यै 'नं हरेयुस् तु·

c. प्र praef. सम् *i. q. simpl.* MAH. 4876. 7143.

c. वि diruere, delere, *e. c. urbem.* A. 10. 1.: पुरम् एतत्... त्वया विमथितम् वीर·

मन्थ *m.* (r. मन्थ् s. अ) agitatio. RAGH. 10. 3.

मन्थर (r. मन्थ् s. अर) tardus, lentus, segnis, languidus. RAGH. 19. 21. *Cf.* मन्द·

मन्थान *m.* (r. मन्थ् s. आन) rudis, rudicula. R. Schl. I. 45. 19. (Hib. *maide* «a stick, wood, timber».)

मन्द् 1. *A.* (scribitur मद्, gr. 110[a].) *in dial. Vêd.* 1) gaudere. RIGV. 26. 5.: अस्य नो मन्दस्व सख्यस्यच «hoc nostro *sacrificio* gaude, consortioque»; 51. 12.: येषु मन्दसे «quibus gaudes». *PAR.* exhilarare. RIGV. V. (v. Westerg.): सोमो मन्दतु त्वा· 2) laudari, celebrari. RIGV. 51. 11.: मन्दिष्ट यद् उशने काव्ये सचा इन्द्रः «cum laudaretur Indras *ipsum* desiderante carmine». 3) dormire. RIGV. V. (v. Westerg.): अग्ने त्वं सुजागृहि वयं सुमन्दिषीमहि· — *Caus.* exhilarare. RIGV. 4. 7. (Cf. मण्ड्, मद्, मुद्, वन्द्; germ. vet. *menden* gaudere e *mandjan*, praet. *manta*; *mendi* gaudium; hib. *meadhrach* «glad, joyful, merry», *meadhradh* «mirth, song, melody», *molaim* «I praise».)

c. उत् exhilarare. RIGV. 8. 6.: उत् त्वा सुतासो रभसा अमन्दिषुः «te parata *libamina* cito inebriantia laetificarunt».

मन्द (r. मन्द् s. अ) 1) paucus. मन्दम् *Adv.* parum, paululum. N. 16. 8. DR. 3. 1. 2) tardus. 3) stultus, stolidus. N. 15. 10. 14. (Hib. *mall* «slow, dilatory, tardy, tedious, prolix».)

मन्दभाग्य *n.* (*KARM.* e मन्द et भाग्य fortuna, felicitas) fortuna adversa. N. 13. 38.

मन्दभाग् (*BAH.* paululum felicitatis habens e praec. et भाग् fortuna, felicitas) infelix. H. 1. 29.

मन्दाय् (*Denom.* a मन्द s. य्, v. gr. 585.) cunctari, tardari. *ATM.* UR. 48. 10.: मन्दायमाना·

मन्दार *m.* (r. मन्द् s. आर) 1) arbor, erythrina fulgens. UR. 6. 2. 2) arborum coelestium genus. RAGH. 6. 23. MEGH. 68. 73.

मन्दिर *n.* (r. मन्द् dormire s. इर) domus. IN. 5. 52.; *cf.* मन्दुरा·

मन्दुरा *f.* (r. मन्द् dormire s. उर in *fem.*) stabulum.

मन्द्र (r. मन्द् s. र) profundus, gravis, *de sono.* UR. 69. 15.

मन्मथ *m.* (cor agitans e मन् pro मनस् cor et मथ agitans, concutiens) amor, deus amoris. IN. 5. 3.

मन्मय (e pronom. 1. pers. मत् q. v. s. मय) mihi devotus. BH. 4. 10.

मन्यु *m.* (r. मन् s. यु) 1) moeror, aegritudo. N. 9. 4. 2) ira. SU. 4. 16. (Cf. gr. μῆνις, v. मन्.)

मयूख *m.* radius. RITU-S. 1. 13. RAGH. 2. 46.

मयूर *m.* pavo. *Fem.* मयूरी·

मरकत *m.* smaragdus. MEGH. 74. (Gr. σμάραγδος, lat. *smaragdus.*)

मरण *n.* (r. मृ s. अन) mors. H. 4. 50. N. 10. 10.

मरिच *n.* piper. AM.

मरीचि *m. f.* luminis radius. RAGH. 9. 13. 13. 4.

मरीचिप *m.* (e praec. et प bibens) nomen cujusdam Geniorum ordinis. SU. 3. 5.

मरु *m.* (ut videtur, a r. मृ s. उ) aquâ carens locus, desertum. RAGH. 4. 31. HIT. 8. 7.

मरुत् *m.* 1) ventus. 2) ventorum Genius. IN. 2. 13.

मरुत्वत् *m.* (ventis, ventorum Geniis praeditus, circumdatus) cognomen *Indri.* A. 4. 12.

मर्कट *m.* simia. Lass. 2. 10.

मर्च् 10. *P. i. q.* मार्ज्·